Vol 1 Issue 8 Sep 2011

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: http://oldisrj.lbp.world/

ISSN No-2230-7850 Vol.1,Issue.VIII/Sept 11pp.1-4

Research Paper

''बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर का तुलनात्मक अध्ययन''

कामाक्षी अग्निहोत्री[1], प्रमोद कुमार गुप्ता[2]
[1]उपाचार्य, शिक्षा अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर.
[2]शोध छात्र,शिक्षा अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर.

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। उक्त अध्ययन हेतु न्यादर्श का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि के आधार पर किया गया। इस हेतु ५० शासकीय और ५० अशासकीय शिक्षकों का चयन किया गया। शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के मापन हेतु बोस्टेगिंल (१९९२) द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है। परीक्षण से प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर सार्थकता मान ज्ञात करने के लिए ''टी'' मूल्य की गणना की गयी। अध्ययन में शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर में सार्थक अंतर पाया गया।

1.1.0 प्रस्तावना

सामान्यतः शिक्षा के क्षेत्र में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांतों का उपयोग, संपूर्ण गुणवत्ता की प्राप्ति हेतु किया जाने वाला प्रबंध, शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन है।

शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन से आशय ऐसी शैक्षिक संकल्पनाओं, रचना कौशलों, उपकरणों, विश्वासों इत्यादि के समूह से है, जो अपव्यय तथा लागत खर्च को कम करके उत्पादों एवं सेवाओं के सुधार को परिलक्षित करते हों। शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, शिक्षा के उद्देश्यों को वास्तविकता में क्रियान्वित करता है और इसका संबंध किसी भी शैक्षिक संस्था द्वारा अधिकाधिक गुणवत्ता प्राप्त करने का मार्ग पाने और संस्था की समालोचना करने से है। शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन द्वारा शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता प्रबंधन और गुणवत्ता नियंत्रण के माध्यम से सतत् सुधार किया जाता है। शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मार्ग में आने वाले अवरोधों को पहचानने और दूर करने की समग्र व्यवस्था और विचार है।

1.2.0 औचित्य

शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन पर हुये शोध कार्यों में मुखोपाध्याय (१९९२) ने स्वोट विश्लेषण पर अध्ययन किया, शोध के निष्कर्ष में शैक्षिक संस्थाओं की गुणवत्ता के सूचक के रूप में निम्न बिन्दु पाये गये- संस्था का नेतृत्व, शिक्षक गुणवत्ता, आपसी संपर्क एवं पारस्परिक संवाद सहपाठ्यक्रम गतिविधियाँ, अध्यय अनुदेश, कार्यालय प्रबंधन, सामूहिक जीवन गुणवत्ता, भौतिक संसाधन, परीक्षा प्रणाली एवं व्यवसाय संतुष्टि। एनक्यूब, एन.जे. (२००४) ने ग्रामीण दिवस माध्यमिक विद्यालयों की आंतरिक प्रभाविता पर जिम्बावे में गुणवत्ता प्रबंधित शिक्षा के संदर्भ में अध्ययन किया और पाया कि ग्रामीण दिवस माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार हेतु शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास, परीक्षा व्यवस्था सुधार, परीक्षा व्यवस्था सुधार कार्यक्रम, गुणवत्ता सुधार दल का निर्माणअध्यापकों की सुविधाओं में वृद्धि, सैटेलाइट कक्षायें, सामग्री संसाधन में वृद्धि जैसे कार्यक्रम किये जाने चाहिये। विश्वनाथन (२००७) ने केरल की उच्च शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन पर अध्ययन किया और पाया कि केरल राज्य में उच्च शिक्षा में परिणामात्मक वृद्धि हुयी है लेकिन गुणवत्ता के तौर पर ह्रास हुआ। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता अधिकार शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। शिक्षकों में गुणवत्ता वृद्धि, मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों के सतत आयोजन और सतत अभ्यास से किया जा सकता है। पीर मोहम्मद, हार्थ और यशोधरा (२००६) ने शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन युक्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों पर अध्ययन किया और पाया कि शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में मैसूर शहर के माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष और महिला शिक्षकों की अवधारणा के स्तर पर सार्थक अंतर था और महिला शिक्षक अवधारणा स्तर पर पुरूर्ष शिक्षकों से श्रेष्ठ थी। रायजादा (२०१०) ने केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों के संदर्भ में शिक्षकों की गुणवत्ता युक्त विद्यालयी संस्कृति और वातावरण की अवधारणा पर अध्ययन किया और पाया कि विद्यालयों में गुणवत्ता हेतु आधार भूत संरचना संबंधी सुविधायें, शिक्षक गुणवत्ता, विद्यालयी वातावरण, नेतृत्व, विद्यालयी प्रबंधन और व्यवसाय संतुष्टि महत्वपूर्ण घटक है, जिनकी अग्ररोत्तर उन्नति आवश्यक है।

1.3.0 शोध के उद्देश्य

१.बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों की तुलना करना।

२.बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन

के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों की तुलना करना।
३.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों की तुलना करना।
४.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों की तुलना करना।

1.4.0 परिकल्पनाएं

१.बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
२.बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
३.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
४.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

1.5.0 प्रविधि

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श के रूप में छत्तीसगढ राज्य के बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और उनके शिक्षकों का यादृच्छिक रीति से चयन किया गया। शिक्षकों का लिंगवार वितरण निम्न प्रकार से है–

न्यादर्श का वितरण

विद्यालय	लिंग	संख्या	कुल संख्या
शासकीय	पुरूष	२५	५०
	महिला	२५	
अशासकीय	पुरूष	२५	५०
	महिला	२५	
			कुल १००

उपकरण

शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर मापने हेतु बोस्टेगिंल (१९९२) द्वारा निर्मित उपकरण का उपयोग किय गया है जिसमें ८४ मदें है जो डेमिंग द्वारा प्रस्तुत संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन में १४ सूत्रीय बिन्दुओं पर आधारित हैं। यह ४ विकल्पीय (लागू नहीं होता, निम्न, मध्यम, उच्च) लिकर्ट स्केल पर आधारित है।

सांख्यकीय उपचार

परीक्षण से प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर सार्थकता मान ज्ञात करने के लिए ''टी'' मूल्य की गणना की गयी है।

1.6.0 सांख्यकीय विश्लेषण

सारणी 1.1

विद्यालय	N	M	SD	df	t
शासकीय	५०	२०६.०८	२०.५३	९८	३.२८७
अशासकीय	५०	२१९.३८	१९.९२		

सारणी १.१ से विदित होता है कि बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय शिक्षकों के समूह के संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के स्वतंत्र न्यादर्श ''टी'' परीक्षण का मान ३.२८७ है, जो कि सार्थकता स्तर ०.०१ पर सार्थक है जबकि कत्रि९८ है। इसका तात्पर्य है कि बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है।

सारणी 1.2

विद्यालय	N	M	SD	df	t
शासकीय	५०	२११.९२	२१.८०	९८	.५२१
अशासकीय	५०	२१३.८४	२०.७५		

सारणी १.२ से विदित होता है कि बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष और महिला शिक्षकों के समूह के संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के स्वतंत्र न्यादर्श ''टी'' परीक्षण का मान २.९५८ है, जो सार्थकता स्तर ०.०१ पर सार्थक नहीं है जबकि df=९८ है। इसका तात्पर्य है कि बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के समूह और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों के समूह के संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलाकों में सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त नहीं की जाती है।

सारणी 1.3

विद्यालय	N	M	SD	df	t
शासकीय	२५	२०५.९०	२०.५३	९८	३.२८७
अशासकीय	२५	२१७.५९	२१.३९		

सारणी १.३ से विदित होता है कि बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के स्वतंत्र न्यादर्श ''टी'' परीक्षण का मान १.९८३ है जो सार्थकता स्तर ०.०१ पर सार्थक नहीं है जबकि कत्रि९८ है। इसका तात्पर्य है कि बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के समूह और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के समूह के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर

नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त नहीं की जाती हैं

सारणी 1.4

विद्यालय	N	M	SD	df	t
शासकीय	२५	२०६.४८	२०.५१	४८	२.६५८
अशासकीय	२५	२२१.२०	१८.६०		

सारणी १.४ से विदित होता है कि बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के स्वतंत्र न्यादर्श ''टी'' परीक्षण का मान २.६५८ है जो सार्थकता स्तर ०.०१ पर सार्थक है, जबकि कत्रि६८ है। इसका तात्पर्य है कि बिलासपुर जिले के शासकीय उच्च्तर माध्यमिक स्तर की महिला शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है।

1.7.0 निष्कर्ष

१.बिलासपुर जिले के शासकीय और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के समूह के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर में सार्थक अंतर पाया गया और यह देखा गया कि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर की तुलना में अधिक सकारात्मक है।

२.बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष और महिला शिक्षकों के समूह के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया और यह देखा गया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध का स्तर एक समान ही है।

३.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक के पुरूष शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया और यह देखा गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध का स्तर एक समान ही है।

४.बिलासपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों और अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों के शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर में सार्थक अंतर पाया गया और यह देखा गया कि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की महिला शिक्षकों का शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध का स्तर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध स्तर की तुलना में अधिक सकारात्मक है।

1.8.0 शैक्षिक निहितार्थ

अध्ययन के परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में बोध के स्तर को बढ़ाना चाहिये तभी वे अपना और अपने विद्यार्थियों की योग्यता और विकास को सुनिश्चित कर सकेंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

१. अस्थाना, वी. : प्रारम्भिक सांख्यिकीय विधियाँ, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, १९८९।
२. कपिल, एच.के. : अनुसंधान विधियाँ, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, २०१०।
३. कुलश्रेष्ठ, एस.पी. : शैक्षिक तकनीकी, साहित्य प्रकाशन, आगरा, १९९१।
४. गैरेट, एच.इ. : शिक्षा एवं मनोविज्ञान में संख्यिकी, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, २००४।
५. पाल, एच.आर. : मापन/आकलन एवं मूल्यांकन, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, २००६।
६. मुखोपाध्याय, एम. : शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, नीपा, दिल्ली, २००१।
7. Abu-Duhou, I. (1999), School-based Management. Paris: International Institute of Educational Planning, pp.56-72 .
8.Bostingl, J.J. (2001), Schools of Quality, Corwin Press, Inc. pp.1-45 .
9.Boyer, L.E. (1996), 5 Priorities for quality schools, Education digest, 62(1), 1996 .
10.British Standards Institutions, (1991), Quality Vocabulary Part 2: Quality Concepts and Related Definition, London: B.S.S.
11.Crosby, P.B. (1979), Quality is Free: Art of Making Quality Certain, New York: McGraw Hill. .
12.Crosby, P.B. (1979), Quality is Free: The Act of Making Quality Certain, New York: McGraw Hill. .
13.Crosby, P.B. (1984), Quality without Tears, Singapore: McGraw Hil.l .
14.Edwell, P. (1993), Total Quality and Academic Practice, Change, May-June.
15.Feignbaum, A.V. (1983), Total Quality Control, New York: McGraw Hill. .
16.Fields, J.C. (1994), Total Quality for Schools: A Guide for Implementation, Milwavkee, ASQC Quality Press. .
17.Holt, M. (2000), The Concept of Quality in Education, in Hoy, C., Bayne-Jardine, C. and Wood, M., Improving Quality in Education, London: Falmer Press. .

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : http://oldisrj.lbp.world/